

व्यापार-तकनीक सहयोग पर फोकस

भारत-ईयू एफटीए आर्थिक अवसरों का बड़ा द्वार खोल सकता है: जयशंकर

ब्रसेल्स, 17 मार्च. भारत और यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक रिश्तों को नई दिशा देने की दिशा में अहम प्रगति देखने को मिली है. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रसेल्स दौरे के दौरान यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेताओं के साथ व्यापक चर्चा की, जिसमें प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते को केंद्र में रखा गया.



यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितताओं से गुजर रही है और देश मजबूत व्यापारिक साझेदारियों की ओर बढ़ रहे हैं. इस दौरान उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा समेत कई वरिष्ठ नेताओं के साथ हुई बैठकों में व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और निवेश के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत-ईयू एफटीए दोनों पक्षों के लिए आर्थिक अवसरों का बड़ा द्वार खोल सकता है और यह साझेदारी को एक नए स्तर पर ले जाएगा.

टैलेंट मोबिलिटी और रिस्कलेस के आदान-प्रदान को भी इस साझेदारी का अहम हिस्सा बताया गया. भारत में ग्लोबल केपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) को बढ़ावा देने और पेशेवरों की आवाजाही को आसान बनाने पर भी सहमति बनी. इसके अलावा, सुरक्षा और रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने तथा सूचना सुरक्षा समझौते को जल्द अंतिम रूप देने पर भी जोर दिया गया.

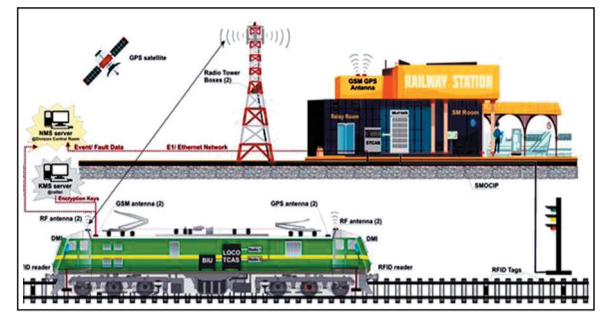
लाभों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए दोनों पक्षों को व्यावहारिक कदम उठाने होंगे. इसमें व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ तकनीकी सहयोग को मजबूत करना शामिल है.

रुपया दो पैसे हुआ मजबूत

मुंबई, 17 मार्च. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को 1.75 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 92.2825 रुपये का बोला गया. पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 92.30 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर रही थी. रुपये में आज उतार-चढ़ाव रहा. यह 14 पैसे लुढ़ककर 92.44 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और दोपहर से पहले 92.4750 रुपये प्रति डॉलर तक उतर गया था. कारोबारियों ने बताया कि निजी और सार्वजनिक बैंकों की डॉलर खरीद बढ़ाने से भारतीय मुद्रा को मजबूती मिली और कारोबार की समाप्ति पर यह 92.2825 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुई. भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी संस्थानगत निवेशकों की बिकवाली से रुपये पर दबाव रहा.

अहमदाबाद मंडल में 'कवच 4.0' का विस्तार तेज

- ▶ सुरक्षित रेल संचालन की ओर बड़ा कदम
- ▶ कई सेक्शनों में इंस्टॉलेशन कार्य जारी
- ▶ इंजनों में तेजी से लग रही कवच प्रणाली



अहमदाबाद, 17 मार्च. भारतीय रेलवे की उन्नत स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली 'कवच 4.0' का विस्तार अहमदाबाद रेल मंडल में तेजी से किया जा रहा है. यह प्रणाली ट्रेन संचालन को सुरक्षित, नियंत्रित और आधुनिक बनाने की दिशा में अहम पहल मानी जा रही है. कवच एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जो लोको पायलट की गति सीमा का पालन करने में मदद करती है.

आवश्यकता पड़ने पर यह स्वतः ब्रेक लगाकर संभावित दुर्घटनाओं को रोकती है. इसमें ऋजुबुद्ध तकनीक के जरिए ट्रेन की सटीक लोकेशन और सिग्नल की जानकारी मिलती है. अहमदाबाद मंडल में वटवा लोको शेड के 180 इंजनों में से 72 में कवच लगाया जा चुका है, जबकि साबरमती शेड में 34 में से 6 इंजनों पर कार्य पूरा हो चुका है. ट्रेक स्तर पर अहमदाबाद-पालनपुर, सामाख्याली और

गांधीधाम सेक्शनों में सैकड़ों किलोमीटर पर इंस्टॉलेशन कार्य जारी है. हाल ही में गांधीनगर कैपिटल-कलोल सेक्शन पर सफल ट्रायल में सिस्टम ने दो ट्रेनों के पास आने पर स्वतः ब्रेक लगाकर टक्कर टाल दी. रेलवे के अनुसार, देशभर में भी कवच 4.0 का विस्तार तेजी से हो रहा है. यह तकनीक भविष्य में रेल यात्रा को और अधिक सुरक्षित बनाने में अहम भूमिका निभाएगी.

फरवरी में निर्यात सालाना घटकर 36.61 अरब डॉलर

नई दिल्ली, 17 मार्च. सालाना आधार पर फरवरी में निर्यात घटकर 36.61 अरब डॉलर रह गया जबकि मासिक आधार पर इसमें वृद्धि हुई है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि फरवरी 2025 में माल निर्यात 36.91 अरब डॉलर और जनवरी 2026 में 36.56 अरब डॉलर रहा था. जारी आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और सोने के आयात में बड़े उछाल के कारण फरवरी में माल आयात एक साल पहले के 51.33 अरब डॉलर से बढ़कर 63.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इस प्रकार वस्तु व्यापार घाटा लगभग दोगुना होकर 27.10 अरब डॉलर पर पहुंच गया. फरवरी 2025 में यह 14.32

अरब डॉलर रहा था. फरवरी में 12.97 अरब डॉलर के कच्चे तेल और पेट्रोलियम का आयात किया गया जो सालाना आधार पर 9.08 प्रतिशत अधिक है. सोने का आयात 218.55 फीसदी बढ़कर 7.45 अरब डॉलर और चांदी का 285.23 प्रतिशत बढ़कर 1.66 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का आयात 10.10 अरब डॉलर रहा जो फरवरी 2025 की तुलना में 33.43 प्रतिशत अधिक है. सेवाओं का अनुमानित आयात 15.76 फीसदी बढ़कर 16.38 अरब डॉलर और निर्यात 24.90 फीसदी बढ़कर 39.53 अरब डॉलर रहा. माल और सेवाओं का कुल आयात 80.09 अरब डॉलर और निर्यात 76.13 अरब डॉलर दर्ज किया गया.

नीता अंबानी को ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड 2025 सम्मान

भुवनेश्वर, 17 मार्च। रिलायंस फाउंडेशन की फाउंडर और चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी को मशहूर केआईएसएस ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड 2025 दिया गया। यह अवॉर्ड श्रीलंका के नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मोहन मुनासिंघे ने आइआइटी, केआईएसएस और केआईएमएस के फाउंडर डॉ. अच्युत सामंत की मौजूदगी में दिया। इंस्टीट्यूशन के सीनियर अधिकारी और बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स और जाने-माने लोग इस फंक्शन में शामिल हुए।



इस अवॉर्ड में श्रीमती अंबानी के बेहतरीन मानवीय कामों और रिलायंस फाउंडेशन के जरिए शिक्षा, हेल्थकेयर, गांवों में बदलाव, महिलाओं को मजबूत बनाने और स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने के जरिए सामाजिक विकास में उनके अहम योगदान को पहचान दी गई। अपनी स्पीच में, श्रीमती अंबानी ने कहा कि डॉ. सामंत ने शिक्षा के दो मॉडर्न मंदिर बनाए हैं—आइआइटी और केआईएसएस ये दोनों इंस्टीट्यूशन हमारे देश के लिए गर्व की बात हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें मशहूर केआईएसएस ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड पाकर गर्व महसूस हो रहा है और कहा कि यह सम्मान सिर्फ उनका नहीं, बल्कि रिलायंस फाउंडेशन की पूरी टीम का है। केआईएसएस के 40,000 स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा, आपने मुझे यहां जो प्यार और स्नेह दिया है, उसे मैं कभी नहीं भूलूंगी। उन्होंने कहा कि लड़के और

लड़कियों में कोई फर्क नहीं है और जो लड़के कर सकते हैं, लड़कियां भी कर सकती हैं। स्टूडेंट्स को सलाह देते हुए उन्होंने कहा, यह तो बस शुरुआत है, आपका आखिरी गोल है, और ओडिशा के लोगों का नेचर के साथ गहरा और मजबूत कनेक्शन है।

तीन दिन गिरावट के बाद शेयर बाजारों में तेजी

- 567 अंक पर चढ़ा संसेक्स
- 172 अंक पर आगे रहा निफ्टी



मुंबई, 17 मार्च. घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही, हालांकि आईटी और एफएमसीजी कंपनियों में बिकवाली देखी गयी. बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक संसेक्स 567.99 अंक (0.75 प्रतिशत) चढ़कर 76,070.84 अंक पर बंद हुआ. निफ्टी-50 सूचकांक भी

और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.03 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.65 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. संसेक्स की कंपनियों में इटनल का शेयर लगभग पौने छह फीसदी मजबूत हुआ. टाटा स्टील में करीब साढ़े चार फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा में तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी रही. बीईएल, एलएंडटी और भारती एयरटेल के शेयर दो प्रतिशत से ज्यादा चढ़े. मारुति सुजुकी, इंडिगो, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और ट्रेड के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच मजबूत हुए.

चीन से व्यापार घाटा 9.5 लाख करोड़ के करीब

नई दिल्ली, 17 मार्च. भारत और चीन के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चिंता भी जुड़ी है—तेजी से बढ़ता व्यापार घाटा. ताजा आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से फरवरी के बीच भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 100 अरब डॉलर (करीब 9.5 लाख करोड़ रुपये) के करीब पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है. सरल शब्दों में कहें तो भारत चीन से जितना सामान खरीद रहा है, उसके मुकामले बहुत कम सामान बेच पा रहा है.

जियो पेमेंट्स बैंक ने शुरु की यूपीआई केश विज्ञान सेवा

मुंबई, 17 मार्च. जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने यूपीआई आधारित केश विज्ञान सेवा शुरू करने की घोषणा की है. जिसके तहत ग्राहक अब बिजनेस करिस्पोंडेंट टचपाइंट्स पर कोड स्कैन कर नकद निकाल सकते. मतलब बिना डेबिट कार्ड और पारंपरिक एटीएम होने के बाद भी ग्राहक अपना पैसा निकाल सकते. बैंक के अनुसार, नई सेवा खासतौर पर ग्रामीण और अर्ध-

शहरी क्षेत्रों के ग्राहकों को ध्यान में रखकर शुरू की गई है, जहां ऋकू पहुंच सीमित है. ग्राहक अपने ऐप के माध्यम से ट्रांजैक्शन ऑथराइज कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकते. जियो पेमेंट्स बैंक ने कहा कि कार्डलेस केश विज्ञान सुविधा डिजिटल भुगतान और नकद उपयोग के बीच की दूरी को कम करेगी तथा पहली बार डिजिटल भुगतान अपनाते वाले उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और सहायक वातावरण में यूपीआई अनुभव प्रदान करेगी.

समाचार विशेष

नितिन नबीन की सदन में क्या स्थिति होगी?

नई दिल्ली. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन राज्यसभा को लिए निर्वाचित हो गए हैं. बिहार में पांच सीटों के लिए हुए चुनाव में एनडीए ने सभी सीट जीत लीं. नितिन नबीन एनडीए के नंबर एक उम्मीदवार थे. अब वे उच्च सदन में आएंगे. उनका विधायी कामकाज का लंबा अनुभव है. वे 2006 से लगातार विधायक रहे हैं. राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद अब वे बांकीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा देंगे.



कहा जा रहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख को उस सीट से चुनाव लड़ाया जाएगा. वे बिहार सरकार में मंत्री बनेंगे. गौरतलब है कि मयूख का विधान परिषद का कार्यकाल

लोकसभा में मोदी के अलावा राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी आगे बैठते हैं. दूसरा सवाल यह है कि क्या नितिन नबीन को सदन का नेता बनाया जा सकता है? ध्यान रहे अभी जेपी नन्दा सदन के नेता हैं लेकिन वे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी हैं. यानी दोहरी जिम्मेदारी है. दूसरी ओर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सदन में कांग्रेस के नेता हैं. सो, क्या भाजपा अपने अध्यक्ष को सदन का नेता बना सकती है?

उनको क्या स्थिति होगी? भले उम्र और अनुभव में नितिन नबीन बाकी लोगों से कम हैं लेकिन उनका पद बहुत बड़ा है. वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जिनके लिए प्रभामंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वे उनके भी बांस हैं. हालांकि मोदी ने कभी यह बात जेपी नन्दा या अमित शाह के लिए नहीं कही थी कि वे उनके बांस हैं. चूंकि उनको नितिन

नबीन का कद बढ़ा करना है इसलिए यह बात कही. सो, पहला सवाल तो यह है कि प्रधानमंत्री के बांस नितिन नबीन कहां बैठेंगे? उनके लिए राज्यसभा में अगली पंक्ति में सीट बनानी होगी. सीट इसलिए बनानी होगी कि अगर किसी खास स्थिति में सभी बड़े नेता राज्यसभा में पहुंचें तो समस्या नहीं हो.

जेना की एंट्री से ओडिशा भाजपा में बगावत



भुवनेश्वर. ओडिशा की राजनीति में शूक्रवार को उस समय हलचल तेज हो गई, जब बालेश्वर के वरिष्ठ नेता जीवन प्रदीप दास ने भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा दे दिया. उनका इस्तीफा ऐसे समय आया है, जब हाल ही में बीजद के पूर्व सांसद रवींद्र जेना के भाजपा में शामिल होने के बाद जिले की पार्टी इकाई में असंतोष की

कढ़ावर नेता जीवन प्रदीप दास ने पार्टी से दिया इस्तीफा चर्चा चल रही थी. बताया जा रहा है कि बालेश्वर में बदलते राजनीतिक समीकरणों को लेकर जीवन प्रदीप दास और उनके समर्थक नाराज थे. पार्टी सूत्रों के अनुसार, जेना के शामिल होने के बाद स्थानीय स्तर पर नेतृत्व को लेकर खींचतान बढ़ गई थी.

तीन बार विधायक रह चुके हैं दास जीवन प्रदीप दास बालेश्वर के कढ़ावर नेताओं में गिने जाते हैं और वे तीन बार विधायक रह चुके हैं. ऐसे में उनका भाजपा छोड़ना जिले की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है. फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि वह किसी अन्य दल में शामिल होंगे या नहीं, लेकिन उनके इस फैसले से आने वाले चुनावों से पहले बालेश्वर की राजनीति में नई हलचल तेज होने के संकेत मिल रहे हैं.

राहुल और निलंबित सांसदों का क्या होगा?

नई दिल्ली. अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद स्पीकर ओम बिरला लोट आए हैं. उनको अब रोजमर्रा के कामकाज के साथ दो अहम मसलों पर फैसला करना है. उनके सामने राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से पेश किया गया सर्वेटीसिव मोशन है और विपक्ष के आठ सांसदों के निलंबन का मामला है. गौरतलब है कि बजट सत्र के पहले चरण में निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी के खिलाफ बिना सबूत बात कहने, देश विरोधी ताकतों से संपर्क रखने और दूसरे कई आरोपों में सर्वेटीसिव मोशन पेश किया था. पहले इस तरह के मोशन के आधार पर सांसदों को हटाया जा चुका है. हालांकि ऐसा लग नहीं रहा है कि सरकार राहुल गांधी को हटाना चाहेगी. लेकिन संभव है कि मामले केमेटी को भेज कर उसकी रिपोर्ट के



अभी तुरंत स्पीकर कोई फैसला करेंगे. इस सत्र के बचे हुए हिस्से में उनकी वापसी मुश्किल लग रही है. हालांकि अगर विपक्ष लोकसभा के सुचारू संचालन के लिए स्पीकर के सामने सरकार के संसदीय प्रबंधकों से बात करे तो कुछ रास्ता निकल सकता है. अगर रास्ता नहीं निकलता है तो आठ निलंबित सांसदों में से चार चुनाव प्रचार के लिए जा सकते हैं. उनके राज्य में विधानसभा का चुनाव होना है. इसलिए संसद की सीढ़ियों पर बैठे रहने से बेहतर चुनाव के काम में लगना होगा. दोनों मामलों में क्या होगा यह सोमवार तक पता चलेगा.

विशेष डीएमके ने 'केएमडीके' को दो दी सीटें, क्या कांग्रेस से बढ़ेगा मतभेद?

तमिलनाडु में भी अकेली पड़ जाएगी कांग्रेस!

चेन्नई. द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने शूक्रवार को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपने क्षेत्रीय सहयोगी कोंगुनाडु मक्कल देसाया काची (केएमडीके) के साथ सीट बंटवारे के समझौते को औपचारिक रूप दे दिया. समझौते के तहत केएमडीके को दो विधानसभा सीटें दी गई हैं. यह समझौता चेन्नई स्थित डीएमके मुख्यालय अन्ना अरिवलयलम में एम.के. स्टालिन और केएमडीके के महासचिव ई.आर. ईश्वरन की मौजूदगी में



हुआ. समझौते के अनुसार, केएमडीके के उम्मीदवार डीएमके के प्रतिष्ठित 'राइजिंग सन' चुनाव चिह्न पर दोनों सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. सीट बंटवारे की बंटवारे की पुष्टि के बाद

हालिया स्थानीय और राष्ट्रीय चुनावों में बेहतर प्रदर्शन का हवाला देते हुए कम से कम 35 सीटों की मांग की है. डीएमके नेतृत्व 234 सदस्यीय विधानसभा में स्पष्ट बहुमत सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 180 सीटों पर खुद चुनाव लड़ने के पक्ष में है. इसी वजह से दोनों दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर विवाद गहरता जा रहा है. इस बीच ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस को 2021 विधानसभा चुनाव की तरह 25 सीटों पर ही संतोष करना पड़ सकता है.

स्टालिन अन्ना अरिवलयलम से रवाना हो गए. गौरतलब है कि यह फैसला ऐसे समय में आया है जब द्रविड़ मुनेत्र कड़गम और उसके प्रमुख सहयोगी दल कांग्रेस के बीच गठबंधन की पुष्टि के बाद

कुछ नेता गठबंधन तोड़ने के पक्ष में तमिलनाडु चुनाव से पहले कांग्रेस और डीएमके के बीच का यह संघर्ष कहीं ना कहीं यह सवाल पैदा कर रहा है कि कांग्रेस राज्य में अकेली पड़ सकती है. अगर सीट वंटवारे को लेकर बात नहीं बनी तो कांग्रेस में कुछ नेताओं का समूह ऐसा है जिन्हें ज्यादा सीट चाहिए और अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह इस गठबंधन को तोड़ने के पक्ष में है. इसी बीच कुछ मीडिया रिपोर्ट्स यह दावा कर रही हैं कि 2 मार्च की रात कांग्रेस और डीएमके के बीच सीट बंटवारे को लेकर गठबंधन टूटने की कगार पर पहुंच गया था.